

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

भाग II--- चव्ह 3 -- उप-खव्ड (ii)

PART II—Section 3 —Sub-Section (ii)

सं० 4.38]

नई बिल्ली, सोमवार, धन्तूबर 29, 1979/ कार्तिक 7, 1901

No. 438]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 29, 1979/KARTIKA 7, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

ग्रधिस्चना

नर्द विल्ली, 29 ग्रक्तूबर, 1979

म्राय-कर

का० ग्रा० 609(ग्र).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, भाय-कर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त प्रक्रितयों का प्रयोग करते हुए, भाय-कर नियम, 1962 में भीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाला है, अर्थात्:--

- 1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम म्राय कर (सातवां संशोधन) नियम, 1979 है।
 - (2) ये दुरस्त प्रवृत्त होंगे।
 - 2. ग्राय कर नियम, 1962 के परिशिष्ट 2 में,
 - (क) प्रक्रप 36 में, टिप्पण 3 के स्थान पर निम्नलिखित टिप्पण रखा जाएगा, ग्रर्थात् :---
 - "3, प्रापील का जापन ध्रमेजी में लिखा जाना चाहिए, या, यदि ग्रपील किसी ऐसे राज्य में स्थित न्यायपीठ के समक्ष

फाइल की जाती हैं जो भाय-कर (प्रपील भक्तिकरण)
नियम, 1963 के नियम 5क प्रयोजनों के लिए भपील
श्रिष्ठकरण के सभापित द्वारा तत्समय मधिसूचित है तो,
भपीलाथीं के विकल्प के भनुसार हिन्दी में लिखी जानी
चाहिए भौर उसमें, प्रपील-भाधारों को संक्षेप में तथा
सुभिन्न गीर्षों के मधीन बिना किसी तर्क या विवरण
के, उपर्याणत किया जाना चाहिए और ऐसे भाषारों को
कमयार संख्यांकिस किया जाना चाहिए।";

- (ख) प्ररूप सं० 36क में, टिप्पण के 2 स्थान पर निम्निसिखित टिप्पण रखा जाएगा भथित्:—
 - "2 प्रत्याक्षेप का ज्ञापन अंग्रेजी में लिखा जाना चाहिए या,
 यि ज्ञापन किसी ऐसे राज्य में स्थित न्यायपीठ के समझ
 काइल किया जाता है जो ग्रायकर (अपील ग्रधिकरण)
 नियम, 1963 के नियम 5क के प्रयोजमों के लिए ग्रपील
 ग्रधिकरण के सभापति द्वारा तत्समय ग्रधिमूचित है तो
 प्रत्यर्थी के विकल्प के घनुमार हिन्दी में लिखा जाना
 चाहिए और उसमें प्रत्याक्षेपों को संक्षेप में सथा सुभिन्न
 गीवों के ग्रधीन बिना तर्क या विवरण के, उपवर्णित
 किया जाना चाहिए भीर ऐसे ग्राक्षेपों को कमबार
 संक्यांकित किया जाना चाहिए।";

- (ग) प्ररूप सं० 37च में, टिप्पण 3 के स्थान पर निम्नालिखित टिप्पण रखा जाएंगा, भर्यात :---
 - "3. प्रपील का ज्ञापन मंग्रेजी में लिखा जाना चाहिए या, यिष भ्रपील किसी ऐसे राज्य में स्थित न्यायपीठ के समक्ष फाइल की जाती है जो भायकर (ग्रपील ग्रधिकरण) नियम, 1963 के नियम 5क के प्रयोजनों के लिए अपील ग्रधिकरण के सभापति द्वारा तत्समय ग्रधिमूर्णित है नो ग्रपीलायों के विकल्प के मनुसार हिन्दी में लिखी जानी चाहिए ग्रीर उसमें ग्रपील ग्रधिकारों को संक्षेप में तथा सुभिन्न शीखों के ग्रधीन, विना तर्क या विवरण के, उपवणित किया जाना चाहिए ग्रीर ऐसे ग्राधारों को कमवार संख्यांकित किया जाना चाहिए ।"

[सं० 3048/फा० सं० 143/4/78-टी०पी० एल०] एस० एन० शिन्दे, समिव केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

MINISTRY OF FINANCE

(Central Board of Direct Taxes)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th October, 1979

INCOME-TAX

- S.O. 609(E).—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Income-tax (Seventh Amendment) Rules, 1979.
 - (2) They shall come into force at once.

- 2. In Appendix II to the Income-tax Rules, 1962,-
- (a) in Form No. 36, for Note 3 the following Note shall be substituted, namely:—
 - "3. The memorandum of appeal should be written in English or, if the appeal is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, then, at the option of the appellant, in Hindi, and should set forth, concisely and under distinct heads, the grounds of appeal without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively.";
 - (b) in Form No. 36A, for Note 2, the following Note shall be substituted, namely:—
 - "2. The memorandum of cross-objections should be written in English or, if the memorandum is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, then, at the option of the respondent, in Hindi, and should set forth, concisely and under distinct heads, the cross-objections without any argument or narrative and such objections should be numbered consecutively.";
 - (c) in Form No. 37F, for Note 3, the following Note shall be substituted, namely:--
 - 3. The memorandum of appeal should be written in English or, if the appeal is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Incometax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, then, at the option of the appellant, in Hindi, and should set forth, concisely and under distinct heads, the grounds of appeal without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively."

[No. 3048/F. No. 143(4)/78-TPL] S. N. SHENDE, Secy. Central Board of Direct Taxes